SHRI JYOTIRMOY BOSU: Right, Sir. I will wait till tomorrow.

MR. SPEAKER: No. Unless I admit it, I will not allow anything. We pass on to the next item.

11.23 hrs.

STATEMENT ON SOME ASPECTS OF POSTAL AND TELECOMMUNICATIONS SERVICE

संचार मंत्री (श्री जार्ज फर्नांडिस) : महोदय, संचार मंत्री के पद का भार ग्रहण करने के उपरान्त मैं सदन को नीति संबंधी कुछ परिवर्तनों की मोटी रूपरेखा से अवगत कराना चाहता हूं जिन्हें लागू करने का मेरा विचार है । यद्यपि मैंने डाक और तार विभाग में जिन बातों को प्राथमिकता अब तक दी गई है उनका पूरी तरह से अध्ययन नहीं किया है तथापि इस समय मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि मैं डाक और दूर संचार सेवाओं का गांवों में विस्तार करने पर ज्यादा जोर देना चाहता हूं । पहाड़ी जनजातियों और पिछड़े हुए इलाकों की ओर विशेष ध्यान दिया जाएगा और इन्हें विशेष प्राथमिकता दे दी जाएगी ।

इस समय हमारे देश के 6.8 लाख गांवों में से 31,890 (4.63 प्रतिशत) गांवों में दैनिक डाक योजना का विस्तार नहीं है । मैं इस बात की कोशिश करूंगा कि इस वर्ष देश के सभी गांवों में दैनिक डाक वितरण योजना लागू हो जाय । गांवों में और छोटे कस्बों में 100 से अधिक डाकघर की इमारतें बनाई जाएंगी इस से वहां काम करने वाले कर्मचारियों को काम करने की अधिक सहूलियत होगी और डाकघर में जो जनता जाती हैं उसको बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी ।

अब तक ग्रामीण पोस्ट मैनों और विभागतर डिलीवरी एजेंटों के द्वारा रजिस्ट्री वस्तुओं की बुकिंग की सुवधा सिर्फ महाराष्ट्र डाक सर्किल में उपलब्ध थी । अब इस सुविधा का दूसरे सर्किलों में डाकघरों में भी विस्तार किया जाएगा और देश के सभी ग्रामीण क्षेत्रों में यह सुविधा उपलब्ध हो जाएगी ।

जहां तक दूर संचार सेवा का संबंध है ब्लाक मुख्यालय और इस से ऊपर के स्तर के स्थान ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की धुरी है । इसकी संख्या 7,653 है । अब तक ऐसे 1127 स्थानों में टेलीफोन की सुविधाएं नहीं हैं और 968 स्थानों में तार की सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं । मैं इस बात की कोशिश करूंगा कि आगामी वित्तीय वर्ष में इन सभी स्थानों में ये सभी सुविधाएं उपलब्ध हो जाय ।

मुझे सदन को यह सूचित करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि हम दिल्ली में उपभोक्ता ट्रंक डायलिंग को चार राज्यों की राजधानियों—बंगलोर, भुवनेश्वर, कलकत्ता और कोहिमा को उपभोक्ता ट्रंक डायलिंग (एस०टी०डी०) के जरिए आज जोड़ने जा रहे हैं ।

देश के दूसरे दो महानगर बम्बई और कलकत्ता भी आज रात से एस०टी०डी० के जरिए जुड़ जाएंगे । आज ही दूसरे मार्गों जैसे दिल्ली, भिवानी, अम्बाला और दिल्ली में भी ये सेवाएं आज से दी जाएंगी । उपभोक्ता ट्रंक डायलिंग सेवा के जरिए दूर संचार की सेवाएं ज्यादा तेजी से मिलती हैं और इस प्रकार देश की एकता मजबूत होती है ।

देश के 96 नगरों में टेलीफोन सलाहकार समितियां गठित की गई हैं । इन में से 61 समितियों का कार्यकाल समाप्त हो है और बाकी समिमियों का इस साल समाप्त हो जाएगा । हम चाहते हैं कि टेलीफोन

सलाहकार समितियों के समूचे दर्शन और मूलाधार पर अगले तीन महीनों में पुनरीक्षण, किया जाय ।

मैं विदेश संचार सेवा के विकास को भी अधिक महत्व दे रहा हूं । अब देहरादून में दूसरा उपग्रह भूमि स्टेशन बन गया है । इसलिए अब हम ऐसी स्थिति में हो गए हैं कि दूसरे बहुत से देशों से संचार सम्पर्क कर सकते हैं। इस वर्ष इंटेलसेट ( ) के भारत महासागर में उपग्रह की ओर उन्मुख 39 देशों में से 3 देशों से सम्पर्क स्थापित करने का हमारा लक्ष्य है ।

मेरी उत्कट अभिलाषा है कि हम दूर संचार के साज-सामान को जिस गति से अपने देश में बना रहे हैं उसमें और तेजी लाएं ताकि हम अपनी आवश्यकता की पूर्ति में आत्मनिर्भर हो जांयें । इस दिशा में इंडियन टेलीफोन इंडस्ट्री लिमिटेड, हिन्दुस्तान टेलीप्रिंटर्स लिमिटेड और हमारे डाक-तार कारखाने अच्छा काम कर रहे हैं । मेरी कोशिश यह होगी कि इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए इन इकाईयों में काम करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों और मजदूरों के बीच अधिक ो अधिक सहयोग बढ़े ।

पिछले समय में हमारे स्टाफ को जिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा उस से मैं अवगत हूं । उनके साथ सद्व्यवहार और न्याय किया जाय । इस दृष्टि से मैंने यह फैसला किया है कि 1968 और 1974 में डाक-तार विभाग के हड़तालों के कारण जिन कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनिक कार्यवाहियां की जा रही थीं उन्हें समाप्त किया जाय । इन हड़तालों के कारण कर्मचारियों के ऊपर जो अयोग्यतायें लगाई गईं थ उन सब को दूर कर दिया जाएगा और उनके मूल स्थान (पोजीशन) फिर से मिल जाएंगे ।

मेरे इस मंत्रालय के कार्यभार ग्रहण करने के बाद विभाग के अधिकारी और डाक-तार कर्मचारी संघों के नेता मुझ से मिले हैं । अधिकारियों और डाक-तार कर्मचारियों ने जो उत्साह दिखलाया है उससे मैं भावविहल हूं । इन सभी ने बेहतर और अधिक विनीत सेवाएं देने के कार्य में मेरी सहायता करने का वचन दिया है । मुझे इस बात में जरा भी शक नहीं है कि निकट भविष्य में ही इसके अच्छ नतीजे प्राप्त करने में हमें सहायता मिलेगी ।

SHRI DINEN BHATTACHARYYA (Serampore): Sir, I would like to know from the Minister as to what will happen to those who have been dismissed during the Emergency. He must come forward with some explanation.

11.29 hrs.

STATEMENT *RE* DERAILMENT OF MANGALORE-MADRAS EXPRESS AT SEVUR RAILWAY STATION

THE MINISTER OF RAILWAYS (PROF. MADHU DANDAVATE): Sir, I beg to lay on the Table statement regarding derailment of 28 Up Mangalore-Madras Express at Savur station of Southern Railway on 30-3-1977.

Statement

I rgret very much to inform this House that at about 12.50 hrs. on 30-3-1977, while No. 28 Up Mangalore-Madras Express, with a load of 16 coaches and hauled by a diesel engine, was running through Sevur station on Katpadi-Arkonam broad gague double line section on Madras division of Southern Railway, 9 coaches marshalled 5th to 13th from the train engine derailed, of which six coaches capsized. The Up line was obstructed but the Down line remained free for through traffic.